२३वाँ बुन्देली उत्सव २०१९

(१७ फरवरी से २3 फरवरी)

परियोजना विवरण

आयोजक :-

बुन्देली विकास संस्थान छतरपुर (म॰प्र॰)

पर्यटक ग्राम बसारी, छतरपुर बुंदेलखंड (म॰प्र॰) - 471001

दूरभाष :- 07682-241310, मोबाइल – 8851436932

ईमेल- bundelivikassansthan@gmail.com

वेब साइट – www.bundeliutsav.com

बुन्देली उत्सव :- एक परिचय

बुन्देली विकास संस्थान छतरपुर द्वारा विगत २२ वर्षो से बुंदेलखंड अंचल की कला, सांस्कृतिक, साहित्यक, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन तथा विकसित करने का कार्य सफलता पूर्वक कर रहा है । इसी उदेश्य से छतरपुर जिले के पर्यटक ग्राम (**Heritage Village**) बसारी में प्रति वर्ष **" बुन्देली उत्सव "** का सतत आयोजन किया जा रहा है । वर्तमान मे यह जन उत्सव का रूप ले चुका है । जिसमे बुंदेलखंड के सुदूर अंचल से प्रति दिन लगभग 20 से 25 हज़ार दर्शक आते है ।

बुन्देली उत्सव मे बुंदेलखंड अंचल के लोक पर्वो, लोक संस्कारों तथा विभिन्न अवसरों पर गाए जाने वाले लोक गीतों, लोक नृत्यों की प्रस्तुति लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक पोशाक में कराई जाती है। जिनमे बधाई, नोरता, आल्हा, बिलवारी, कछियाई, अहिरवारी बैठक, दिवारी, दलदलघोड़ी नृत्य, गोटे गायन, राई, फाग आदि ।

खेल विधाओ के संवर्धन हेतु वालीबाल, चौपड़ प्रतियोगिता एवं गिल्ली-डंडा कबड्डी, रस्साकशी, दंगल ,अश्वनृत्य प्रतियोगिता, बैलगाड़ी दौड़ व नौका दौड़, निशानेबाजी प्रतियोगिता प्रमुख है । उत्सव के दौरान कृषि मेला व ग्रामीण प्रतिभाओ का सम्मान भी किया जाता है । बुंदेलखंड की लोक सांस्कृतिक, साहित्यक, व इतिहास की शोधात्मक सामग्री के प्रकाशन हेतु प्रतिवर्ष "**बुन्देली बसंत**" का प्रकाशन किया जाता है ।

इस मंच से बुन्देली लोक साहित्य,कला, पत्रकारिता के क्षेत्र मे विशेष योगदान देने वाले व्यक्तित्व को सम्मानित किया जाता है, जिसका विवरण निम्नलिखित है ।

क्रमांक	सम्मान का नाम	क्षेत्र	सम्मान राशि
1.	**" राव बहादुर सिंह बुन्देला सम्मान "** –	बुन्देली भाषा लोक साहित्य के क्षेत्र मे	रुपये 3100/-सम्मान पत्र, शाल एवं श्रीफल
2.	**" दीवान प्रतिपाल सिंह बुंदेला सम्मान "** –	बुंदेलखंड के इतिहास के क्षेत्र में	रुपये 3100/-सम्मान पत्र, शाल एवं श्रीफल
3.	**" डॉ नर्मदा प्रसाद गुप्त स्मृति सम्मान "**-	बुंदेलखंड के लोक गायकी के क्षेत्र मे	रुपये 3100/-सम्मान पत्र, शाल एवं श्रीफल
4.	**" डॉ हरीराम मिश्र सम्मान "** -	पत्रकारिता के क्षेत्र मे विशेष योगदान	रुपये 3100/-सम्मान पत्र, शाल एवं श्रीफल
5.	**गौरिहार महाराज प्रताप सिंह स्मृति सम्मान"**-	बुन्देली उत्सव में योगदान हेतु	रुपये 3100/-सम्मान पत्र,शाल एवं श्रीफल
6.	**डॉ हेमल स्मृति सम्मान "** -	बुंदेलखंड में शिक्षा के क्षेत्र मे विशेष योगदान हेतु	रुपये 3100/-सम्मान पत्र, शाल एवं श्रीफल

बुन्देली विकास संस्थान छतरपुर बुंदेलखंड के तत्त्वाधान मे इस वर्ष भी **बुन्देली उत्सव** का आयोजन दिनांक **17 फरवरी से 22 फरवरी** तक किया जाना प्रस्तावित है । उक्त छ दिवसीय उत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा व विवरण तिथिवार निम्न लिखित है -

१७ फरवरी बुंदेली उत्सव में प्रथम दिन उद्घाटन सत्र होता है इस दौरान प्रदेश एवं बुंदेलखंड की मशहूर हस्तियों द्वारा उद्घाटन किया जाता है, तत्पश्चात बुंदेलखंड लोक सांस्कृतिक एवं कला के संवर्धन हेतु अतिथियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए जाते तत्पश्चात बुंदेलखंड के बच्चों द्वारा **रंगोली प्रतियोगिता, लोक चित्रकारी प्रतियोगिता, बुंदेली संस्कृति आधारित बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति, दंगल, कबड्डी प्रतियोगिता, वालीबाल प्रतियोगिता, चौपड़ प्रतियोगिता एवं गिल्ली-डंडा** प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। उक्त प्रतियोगिता में बुंदेलखंड अंचल आसपास के खिलाड़ी प्रतिभाग करते हैं ।

१८ फरवरी बुंदेली उत्सव में कार्यक्रम के दूसरे दिन कबड्डी प्रतियोगिता व वालीबाल प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मैच एवं गिल्ली-डंडा एवं चौपड़ प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला होता है एवं विजयी प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभगियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है । दोपहर में **अश्वनृत्य प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाता है, इस प्रतियोगिता में बुंदेलखंड अंचल के घुड़सवार अपने घोड़े के साथ कार्यक्रम मे नृत्य की प्रस्तुति करते हैं । जिस में सर्वश्रेष्ठ अश्व नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले घुड़सवार को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है साथ ही घुड़सवार की साज सज्जा पर प्रथम द्वितीय पुरस्कार एवं अश्व के साज सज्जा पर प्रथम, द्वितीय पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं ।

सायंकाल में बुंदेली पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें बुंदेलखंड की महिलाओं द्वारा बुंदेलखंड के व्यंजनों को तैयार कर प्रदर्शनी लगाई जाती है एवं सर्वश्रेष्ठ प्रथम द्वितीय एवं तृतीय प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है । इस दौरान प्रत्येक महिलाओं द्वारा लगभग 40 से 50 पारंपरिक बुंदेली व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाना अनिवार्य होता है।

<u>१९ फरवरी बुंदेली उत्सव में कार्यक्रम के तीसरे दिन</u> प्रातः काल में कबड्डी प्रतियोगिता एवं वालीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला होता है तत्पश्चात सर्वश्रेष्ठ प्रथम व द्वितीय टीमों को पुरस्कार वितरित किए जाते हैं । दोपहर में **रस्साकशी प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

साथ ही **बुंदेली भाषा आधारित फिल्म फेस्टिवल** का भी आयोजन किया जाता है जिसके अंतर्गत बुंदेलखंड भाषा में बनी हुई फिल्में बुंदेलखंड के कलाकारों एवं निदेशको के द्वारा तैयार की गई फिल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। जिसमे बुंदेलखंड के कलाकारों एवं निदेशको को भी आमंत्रित किया जाता है ।

<u>२० फरवरी बुंदेली उत्सव में उत्सव के चौथे दिन</u> से प्रातः में भी **बुंदेली भाषा आधारित फिल्म फेस्टिवल** का भी आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत बुंदेलखंड भाषा में बनी हुई फिल्में बुंदेलखंड के कलाकारों एवं निदेशको के द्वारा तैयार की गई फिल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। साथ ही दोपहर में **बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाता है इस प्रतियोगिता में बुंदेलखंड के सुदूर क्षेत्रों से किसान अपनी बैलगाड़ी एवं बैलो के साथ शामिल होते हैं, इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय बैलगाड़ी दौड़ को सम्मानित किया जाता है, साथ ही बैलगाड़ी एवं साज सज्जा आदि पर भी पुरस्कार दिए जाते हैं ।

<u>सायंकालीन सत्र मे बुंदेली भाषा व संस्कृति</u> पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति बुंदेलखंड के प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा किया जाता है। जिसके अंतर्गत **बधाई, नोरता, कछियाई, दिवारी, बुंदेली पोशाक प्रतियोगिता, अहिरवारी बैठक, बुंदेली कीर्तन, कहरवा, गारी, गायन, वनरे, लमटेरा, सेर,ख्याल, दादरा, गायन** की प्रस्तुति की जाती है प्रत्येक प्रस्तुति में लगभग 15 से 20 मिनट का समय दिया जाता है ।

<u>२१ फरवरी बुंदेली उत्सव में</u> कार्यक्रम के पाचवे दिन दोपहर में **नौका दौड़ प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाता है, इस प्रतियोगिता में बुंदेलखंड अंचल के नाविक अपने नाव के साथ कार्यक्रम मे नौका दौड़ की प्रस्तुति करते हैं। जिस में सर्वश्रेष्ठ नौका दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले नाविक को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है ।

सायं कालीन सत्र में दलदल घोड़ी नृत्य प्रतियोगिता, बहरूपिया, गोटे गायन, कार्तिक गीत, आल्हा गायन, बिलवारी गायन, काडरा, रावला, सोहरे गायन, ढिमरयाई, अलगोजा, आदि की प्रस्तुति बुंदेलखंड के कलाकारों द्वारा दी जाती है उपरोक्त सभी प्रस्तुतियों को भी 15 से 20

मिनट का प्रति प्रस्तुति के हिसाब से समय दिया जाता है एवं सभी प्रस्तुतिया बुंदेलखंड के प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा किया जाता है। ।

२२ फरवरी बुंदेली उत्सव कार्यक्रम छठवें दिन बुंदेली उत्सव का समापन सत्र होता है इस समापन सत्र के दोपहर में **निशानेबाजी प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता में बुंदेलखंड के सुदूर क्षेत्रों से लाइसेंस शस्त्रधारी अपनी शस्त्र के साथ शामिल होते हैं, इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय निशानेबाज को सम्मानित किया जाता है, साथ भी पुरस्कार दिए जाते हैं ।

समापन दिन के सायंकालीन सत्र में बुंदेली भाषा लोक साहित्य के क्षेत्र में **बुंदेली भाषा लोक साहित्य के क्षेत्र में, बुंदेलखंड के इतिहास के क्षेत्र में, बुंदेलखंड के लोक गायकी के क्षेत्र में , पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष योगदान, बुंदेलखंड में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु बुंदेली उत्सव के प्रारंभिक दिनों में योगदान हेतु** विभिन्न लोगों को शाल एवम श्रीफल, सम्मान पत्र व राशि के साथ सम्मानित किया जाता है । इसी दौरान बुंदेली फिल्म फेस्टिवल के निदेशकों एवं कलाकारों को भी सम्मानित किया जाता है तत्पश्चात बुंदेलखंड लोक सांस्कृतिक एवं कला के संवर्धन हेतु लोगों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए जाते हैं अतिथियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए जाते हैं । कार्यक्रम के अंत मे बुंदेलखंड की लोक नृत्य **राई एवं फाग** की प्रस्तुति की जाती है और इसी के साथ ही बुंदेली उत्सव का समापन होता है ।

आयोजक

बुन्देली विकास संस्थान

छतरपुर (म,प्र.)